आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 48 (प्रति रविवार) इंदौर, 18 अगस्त से 24 अगस्त 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

अजमेर कांड में 6 आरोपियों को आजीवन कारावास

1992 में अजमेर में 100 से अधिक छात्राओं का गैंगरेप कांड

अजमेर (एजेंसी)। *31 साल पहले अजमेर में 100 छात्राओं के साथ गैंगरेप और ब्लैकमेल कांड हुआ था। मंगलवार को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने 6 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी है। उन पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।*

नफीस चिश्ती, नसीम, सलीम चिश्ती, सोहित गनी, सैयद जमीर हुसैन और इकबाल भाटी को सजा मिली है। यह कांड साल 1992 में हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा स्कूल और कॉलेज की छात्राएं पीड़िता थीं। 18 आरोपियों में से 9 को सजा पहले ही दी जा चुकी थी। एक आरोपी दूसरे मामले में जेल में सजा काट रहा है। एक ने आत्महत्या कर ली थी। एक घटना के खुलासे के बाद से फरार है। आज (मंगलवार) 6 को सजा सुना दी है। 100 से ज्यादा लड़कियों को

किया ब्लैकमेल-1992 में हुए इस कांड से पूरे देश में हंगामा मच गया था। कॉलेज जाने वाली लड़कियों को ब्लैकमेल कर उनका रेप किया जाता था और उनकी नग्न तस्वीरें खींची जाती थीं। इन्हीं तस्वीरों के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। इस पूरे सेक्स स्कैंडल का मास्टर माइंड तत्कालीन अजमेर यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती सहित अन्य आरोपियों ने एक कारोबारी के बेटे को अपनी दोस्ती के जाल फंसाया था। दोस्त बनाकर उसके साथ कुकर्म किया और उसकी तस्वीरें खींचीं। उन तस्वीरों के जरिए उसे ब्लैकमेल करके उसकी गर्लफ्रेंड को पोल्ट्री फॉर्म लेकर पहुंचे। उसके साथ रेप किया। रील कैमरे से उसकी न्यूड तस्वीरें खींचीं। उस पीड़िता के बाद उसकी सहेलियों को उनके पास लाने के लिए दबाव बनाया। ऐसे उन्होंने एक-एक कर न जाने कितनी लड़कियों से रेप किया और नग्न तस्वीरें उतारीं। इसके बाद सब को ब्लैकमेल कर अलग-अलग जगहों पर बुलाने लगे थे।

उद्धव ने सीएम चेहरा तय करने की मांग उठाकर बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाविकास अघाड़ी को टेंशन दे दी है। उन्होंने सीधे तौर पर चुनाव से पहले सीएम का चेहरा घोषित होने की बात कहकर खुद की महत्वाकांक्षा की ओर इशारा कर दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर उद्धव ठाकरे की निगाह जमी हुई है। पिछले दिनों हुई बैठक में उन्होंने साफ कर दिया कि जिसके ज्यादा विधायक, उसका मुख्यमंत्री की नीति नहीं चलेगी। उन्होंने 2019 में भाजपा से गठबंधन में अपने खराब अनुभव का जिर करते हुए कहा कि चुनाव में जाने से पहले मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा घोषित करना जरूरी है। उद्धव के इस बयान के बाद गठबंधन में उथल-पुथल मची हुई है। हालांकि शरद पवार व कांग्रेस इस पर सहमत नहीं है। इस पर कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व से बातचीत के बाद फैसला लिया जाएगा।

कांग्रेस चाहती है ज्यादा विधायक वाले दल का बने सीएम-कांग्रेस नेता खुले तौर पर कह रहे हैं कि जिस दल के ज्यादा विधायक चुनकर आए, सीएम भी उसी दल का होना चाहिए। महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद सीएम पद को लेकर खींचतान हुई थी। इसके कारण भाजपा और शिवसेना के बीच गठबंधन टूटा था।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

सीजेआई ने नेशनल टास्क फोर्स बनाई

मेडिकल प्रोफेशनल की सुरक्षा के उपाय बताएगी कमेटी

कोलकाता(एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर मामले में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सुनवाई की। सीजेआई ने कहा- डॉक्टर्स की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए टास्क फोर्स बना रहे हैं, इसमें 9 डॉक्टर्स को शामिल किया गया है, जो मेडिकल प्रोफेशनल्स की सुरक्षा, वर्किंग कंडीशन और उनकी बेहतरी के उपायों की सिफारिश करेगी।

टास्क फोर्स में केंद्र सरकार के पांच अधिकारी भी शामिल किए गए हैं। कोर्ट ने सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट और राज्य सरकार से घटना की रिपोर्ट मांगी है। नेशनल टास्क फोर्स में जो 9 चिकित्सक हैं, उनमें आरके सरियन, सर्जन वाइस एडमिरल, डॉ. एम श्रीनिवास, डायरेक्टर एम्स दिल्ली, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, बेंगलूरू, डॉ. गोवर्धन दत्त पुरी, डायरेक्टर एम्स जोधपुर, डॉ. सौमित्र रावत, गंगाराम अस्पताल के मैनेजिंग मेंबर, प्रो. पल्लवी सापरे, डीन ग्रांड मेडिकल कॉलेज मुंबई, प्रो. अनिता सक्सेना, कार्डियोलॉजी हेड एम्स दिल्ली, डॉ. पद्मा श्रीवास्तव, न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट एम्स दिल्ली और डॉ. नागेश्वर रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल गेस्ट्रॉलॉजी। इनके अलावा 5 अन्य सदस्य हैं भारत सरकार के कैबिनेट सचिव, भारत सरकार के गृह सचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव, नेशनल मेडिकल कमीशन के अध्यक्ष और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स के अध्यक्ष।

आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को दिया गया। केस की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। उधर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर दी। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली 21 अगस्त को पत्नी डोना के साथ प्रदर्शन करेंगे।

संपादकीय

भारतीय संविधान ही सेक्यूलर नागरिक संहिता, सभी नागरिकों के मौलिक अधिकार एक समान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से कम्युनल सिविल कोर्ट के स्थान पर सेक्युलर सिविल कोड की स्थापना का आह्वान किया है। यह कहकर उन्होंने एक नए विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने भारतीय संविधान की अनदेखी कर,संविधान के महत्व को घटाने का काम किया है। भारतीय संविधान 1950 में लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने भारत के सभी नागरिकों को बिना किसी एक समान अधिकार दिए हैं। सभी नागरिकों को अपने धर्म अपनी भाषा बोलने का अधिकार दिया है। सभी नागरिकों को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का समान रूप से संविधान ने मौलिक अधिकार दिए हैं। उनमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। भारतीय संविधान ने हजारों वर्षों की गुलामी के कारण समाज का जो वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ था। उसे सामाजिक और आर्थिक प्रगति के साथ आगे लाया जा सके। उस समय समाज में जो कुरीतियां थी। उनको समाप्त करने के लिए संविधान में कुछ विशेष प्रावधान किए थे। भारत विविध धर्म और विविध भाषाओं वाला देश है। यहां का खान-पान, रहन- सहन, धार्मिक रीति-रिवाज, सब अलग-अलग हैं। हिंदुओं के सभी वर्ग और समुदाय की आराधना पद्धति और धार्मिक पद्धति अलग-अलग हैं। हिंदुओं में हजारों देवी देवता हैं। जिनकी पूजा अलग-अलग तरीके से होती है। भारतीय संविधान ने नागरिकों को मौलिक अधिकारों के साथ स्वतंत्र जीवन की स्वतंत्रता दी है। संविधान ने नागरिकों के लिए जो मौलिक अधिकार घोषित किए हैं। उसका अन्य कोई विकल्प नहीं हो सकता है। भारतीय संविधान सच्चे मायने में सेकुलर नागरिक संहिता है। जिसमें कोई भेदभाव नहीं है। हिंदुओं के लिए सिविल कोड है। इस सिविल कोड में भारत की तीन चौथाई जनसंख्या कवर होती है। हिंदुओं की ही बात करें, तो शैव,विष्णु,ब्रह्मा,जैन, बौद्ध, सिख, पारसी,आदिवासी और उपजातियों की अलग-अलग परंपराएं हैं। सभी उपजातियां की अलग-अलग सोच है। इसको बदल पाना भगवान के लिए भी संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक की निजी आस्था उसकी सोच का प्रतीक है। भारतीय संविधान ने निजी आस्था और विश्वास को बनाए रखते हुए, सभी नागरिकों के लिए समान मौलिक अधिकारों का चयन किया। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में भारत के संविधान को सर्वश्रेष्ठ माना गया। इससे बेहतर लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य कोई हो ही नहीं हो सकती है। हिंदू सिविल कोड को भारतीय संविधान ने मान्यता दी। उसी तरीके से मुस्लिम, ईसाइयों, बौद्ध,सिख, आदिवासियों इत्यादि को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारतीय संविधान ने मान्यता दी है। निजी आस्था और धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार जीवन जीने का अधिकार बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को दिया है। संविधान के मौलिक अधिकारों में कोई भी फेरबदल करने की किसी को नहीं दी गई। इसी कारण पिछले 75 वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्थाएं सुरक्षित हैं। विभिन्न विचारधारा और विभिन्न मान्यताओं को मानने वाले नागरिक भारतीय संविधान से जुड़े हुए हैं। इसका एक ही कारण है, कि सभी के नागरिक अधिकार एक समान हैं। भारतीय संविधान के अनुसार कोई भी नागरिक अपने निजी अधिकारों की मांग करते हैं। तो संविधान मे उसका भी संरक्षण है। संविधान निर्माताओं ने भारत के हर नागरिक के अधिकारों का समान रूप से ध्यान रखा है। इस बात का ध्यान रखा है, जो लोग और जो समाज सबसे दयनीय स्थिति में है। उसका संरक्षण किया जाना जरूरी है। यह भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा अभिन्न हिस्सा और सोच है। भारतीय संविधान के रहते हुए, अन्य किसी समान नागरिक संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। भारत मे सैकडों धर्म, सैकड़ो भाषाओं, हर क्षेत्र की अलग-अलग परंपराओं,अलग-अलग मान्यताओं,अलग तरीके के खानपान के होते हुए भारत में सभी नागरिक आपस में मिलकर रहते हैं। विश्व के सभी देश आश्चर्यचकित होकर भारतीय संविधान की सराहना करते हैं। संविधान सभा में सभी विषयों पर बहुत बड़ा विचार विमर्श हुआ था। 2 साल तक यह विचार विमर्श चलता रहा। तब जाकर संविधान के अंतिम प्रारूप को तैयार कर सर्व समिति से स्वीकार किया गया। संविधान निर्माण के लिए सभी जातियों और सभी धर्म के लोगों को संविधान सभा में रखा गया था।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खैफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिमेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिमेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं।

स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरिज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित, और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। स्कूलों में काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता की व्यवस्था होनी चाहिए, जो बच्चों की मानसिक समस्याओं को समझें और उनका समाधान कर सकें। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी इतनी सहम गयी है कि गलत धारणाओं को मिटाने के लिये इस तरह की विकृत सोच एवं तथाकथित विकास से जुड़े शत्रु को पीठ के पीछे नहीं, सामने रखना होगा। सोचना होगा कि खुशहाली का पैमाना सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता, शक्ति एवं सत्ता नहीं हो सकता। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी से रंजिश के चलते उस पर गोली चलाते देखे गये हैं।

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में विभिन्न मार्केट एसोसिएशनों के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

शहर के मध्य क्षेत्र तथा आसपास के बाजारों के वाहन नगर निगम द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थलों पर होंगे पार्क

इन्दौर। इंदौर शहर में यातायात तथा पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। जहाँ एक ओर चौराहों को सुधारा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर अभियान चलाकर सड़क और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने का कार्य भी चल रहा है। इसी तरह बेसमेंट में पार्किंग स्थल का अन्य उपयोग करने वालों को भी नोटिस जारी कर एक माह का समय दिया गया है। इसी सिलसिले में कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित विभिन्न मार्केट एसोसिएशनों के पदाधिकारियों की बैठक ली।

इस बैठक में उन्होंने शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित बाजारों के दुकानदारों तथा ग्राहकों आदि के वाहन सुव्यवस्थित रूप से पार्क करने के संबंध में चर्चा हुई। चर्चा में तय किया गया कि सराफा, राजवाड़ा, जेल रोड तथा इसके आसपास के बाजारों के दुकानदार अपने वाहन नगर निगम के मल्टीलेवल तथा अन्य पार्किंग स्थलों पर पार्क करेंगे। इसके लिए उनसे नगर निगम द्वारा प्रतिमाह न्यूनतम निर्धारित शुल्क

लिया जायेगा। इस संबंध में इन सभी मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपनी सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से दुकानदारों और ग्राहकों को बेहद सुविधा होगी। वाहनों चालकों को भी सुविधा मिलेगी। यातायात व्यवस्था बेहतर बनेगी। पदाधिकारियों ने सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण हटाये जाने की आवश्यकता बताते हुये कहा कि इस संबंध में चल रहे अभियान को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाया जाये। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा तथा अपर आयुक्त एनएन पांडे सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से कहा कि वे यातायात सुधार की मुहिम में सहभागी बनें। अपने दुकानदारों और ग्राहकों के वाहन नगर निगम के निर्धारित पार्किंग स्थलों पर पार्क करवायें।

सभी ने सहमति व्यक्त की। बताया गया कि जेल रोड और आसपास के मार्केट के वाहन महाराजा काम्पलेक्स, पालिका प्लाजा, कोठारी मार्केट में पार्क होंगे। सराफा, राजवाड़ा और इसके आसपास के मार्केटों के वाहन सुभाष चौक, खजूरी बाजार और नंदलालपुरा पार्किंग स्थल पर पार्क किये जा सकेंगे। यह व्यवस्था जल्द ही शुरू होगी। इससे पहले कलेक्टर आशीष सिंह ने पार्किंग स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, साफ-सफाई, सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करने आदि के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। बताया गया कि इस व्यवस्था के लिए अपर आयुक्त नगर निगम एनएन पाण्डे नोडल अधिकारी रहेंगे। इसी तरह की बैठक अब हर माह विभिन्न मार्केट एसोसिएशनों के साथ आयोजित की जायेगी।

किसानों का पैसा लेकर व्यापारी गायब, 100 करोड़ रुपए अटके

कृषि मंत्री ने कहा कि जिन व्यापारियों ने भुगतान नहीं किया, उनके खिलाफ एफआईआर

इंदौर। कृषि उपज मंडियों में उपज बेचे जाने (गेहूं, चना) के बाद किसानों का 100 करोड़ रुपए का भुगतान अटक गया। व्यापारियों को किसानों ने मंडियों में खुली नीलामी में फसल बेचा था। इंदौर में 186 किसानों ने 5 साल पहले 2 करोड़ 75 लाख रुपए का गेहूं बेचा, जिसका भुगतान नहीं हुआ। इस मामले में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने भुगतान के लिए पत्र भी लिखे हैं। कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना का कहना है कि जिन व्यापारियों ने भुगतान नहीं किया है, उनके खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी। अभी सनावद मंडी में 100 किसानों का 4 करोड़ 81 लाख रुपए का भुगतान कराया है और साईनाथ ट्रेडर्स के विरुद्ध एफआईआर करवा दी है।

साढ़े 3 करोड़ की मक्का लेकर गायब–बुरहानपुर कृषि उपज मंडी में 30 किसानों से 3.50 करोड़ रुपए का मक्का खरीदकर व्यापारी गायब हो गया। इस मामले में कर्मचारियों की मिलीभगत भी सामने आई कि जब नियम है कि जब तक किसान को भुगतान नहीं हो जाता, तब तक माल मंडी से बाहर नहीं जाएगा। यह माल कैसे मंडी से बाहर गया। इस बारे में मंडी बोर्ड के अध्यक्ष श्रीमन शुक्ला ने भी जानकारी बुलाई है। भोपाल में इसी तरह के मामले में 40 लाख रुपए के भुगतान की प्रक्रिया चल रही है।

2 लाख नकद भुगतान का प्रावधान–प्रदेश की 257 मंडियों में निजी खरीदी यानी व्यापारियों द्वारा बोली लगाकर खरीदे गए अनाज का 2 लाख रुपए नकद भुगतान किए जाने का प्रावधान है। नकद भुगतान न किए जाने की स्थिति में आरटीजीएस से भुगतान किए जाने की व्यवस्था है।

विधायक रमेश मेंदोला के निवास पर पहुंचे सीएम, जताया शोक

इंदौर। इंदौर के दो नंबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेश मेंदोला के पिता चिंतामणी मेंदोला के निधन पर शोक जताने मंगलवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्र मोहन यादव पहुंचे। शोक संतप्त परिजनों से मिलकर उन्होंने चर्चा की। मुख्यमंत्री करीब 20 मिनट निवास पर रुके। विधायक रमेश मेंदोला के पिता चिंतामण मेंदोला का रविवार को 98 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और अस्पताल में भी भर्ती थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव पहले सोमवार को आने वाले थे, लेकिन उज्जैन में बाबा महाकाल की सवारी व बैठकों के कारण मंगलवार सुबह मेंदोला के निवास पर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे सहित अन्य नेता मौजूद थे। मोहन यादव ने मेंदोला के पिता की तस्वीर पर पुष्प चढाए और कहा कि उत्तराखंड से इंदौर आकर बसने के बाद चिंतामणी मेंदोला ने मजदूरों के हितों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन मैं शोक व्यक्त करने आया हूं। इसके बाद मुख्यमंत्री एयरपोर्ट पहुंचे और सीधे भोपाल के लिए रवाना हुए।

नगर निगम इन्दौर के वार्ड क्रं . 83 के रिक्त पार्षद पद हेतु उप-निर्वाचन की अधिसूचना जारी

नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 28 अगस्त

इन्दौर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगर निगम इन्दौर के वार्ड क्रमांक 83 के रिक्त पार्षद पद हेतु उप-निर्वाचन की अधिसूचना का आज प्रकाशन कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज से नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला भी प्रारंभ हो गया है।

नाम निर्देशन पत्र 28 अगस्त 2024 सार्वजनिक अवकाश को छोडकर प्रतिदिन प्रातः 10-30 बजे से दोपहर 03 बजे तक जमा किये जा सकते है। जिले में इसके साथ ही पंचायतों में रिक्त अन्य पदों के लिए भी अधिसूचना का आज प्रकाशन कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह के निर्देशन में उक्त सभी चुनाव निर्विघ्न, व्यवस्थित, पारदर्शी तथा शांतिपूर्ण रूप से कराने के लिए सभी माकूल इंतजाम किये जा रहे है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर कलेक्टर राजेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि पार्षद पद के लिए नाम निर्देशन पत्र कक्ष क्रमांक जी-7 प्रशासनिक संकुल, कलेक्टर कार्यालय इन्दौर में प्राप्त किये जायेंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) 29 अगस्त 2024 को प्रातः 10.30 बजे से कक्ष क्रमांक 101 (न्यायालय कक्ष) प्रशासनिक संकुल, कलेक्टर कार्यालय इन्दौर में की जायेगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2024 तक रहेगी। नाम निर्देशन पत्र उक्त अवधि में दोपहर 03 बजे तक वापस लिये जा सकेंगे। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन 31 अगस्त 2024 को ही अभ्यर्थिता से नाम वापसी के ठीक बाद होगा।

जेल की चारदीवारी के अंदर बहनों ने भाइयों को बांधा रक्षासूत्र

जेल प्रबंधन ने की थी विशेष व्यवस्था

इंदौर। रक्षाबंधन का पर्व जेल के अंदर भी हर्षउल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर जेल के अंदर बंद कैदियों को उनकी बहनें रक्षासूत्र बांधने पहुंची। जब भाई बहन का मिलाप हुआ तो दोनों की आंखों से आंसू छलक उठे। यह देख वहां मौजूद जेल अफसरों की आंखे भी भर आई।

रक्षाबंधन पर जेल प्रशासन ने जेल में बंद अपने भाईयों को राखी बांधने आने वाली बहनों के लिए खाश इंतजाम किए थे। इसके लिए जंहा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे तो वहीं अंदर हाल में विशेष व्यवस्था की गई थी। सेंट्रल जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व पर जेल में बंद कैदियों की कलाई सुनी ना रहें इसके लिए जेल प्रबंधन द्वारा शासकीय अवकाश होने के बाद भी जेलों में बहनों की विशेष मुलाकात का प्रबंध किया जाता है और इस मौके पर केवल बहनों को ही जेल के अंदर प्रवेश दिया जाता है ताकि वह अपने भाईयों को राखी बांध सकें। श्रीमती सोनकर ने बताया कि सेंट्रल जेल में दो हजार से अधिक कैदी विभिन्न मामलों में बंद हैं। रक्षाबंधन पर हिंदू-मुस्लिम सभी बंदियों की बहनें उन्हें राखी बांधने पहुंची थी। इस दौरान विशेष व्यवस्थाएं की गई थी। ताकि बहनें भाई से आसानी से मिलकर उन्हें रक्षासूत्र बांध सकें । डेढ हजार से अधिक बहनें अपने भाईयों को जेल की चाहरदिवारी के अंदर रक्षा सूत्र बांधने पहुंची थी। इस दौरान मिठाई की व्यवस्था कैंटीन के माध्यम से की गई थी वहीं थाली और कुंककू जेल प्रशासन द्वारा उपल्बध कराया गया था। वैसे आम दिनों में जाली से ही बंदी फोन के माध्यम से अपने परिजनों से बातचीत करते हैं। रक्षाबंधन पर ही केवल ऐसा होता है जब कैदियों की बहनों को जेल के अंदर प्रवेश दिया जाता है। इसलिए इस दिन का जंहा कैदियों को इतंजार तो रहता है वहीं भाई से मिलने को लेकर बहनें ज्यादा लालायित रहती हैं। जेल अधीक्षक अलका सोनकर का कहना है कि यह आयोजन हर किसी को भवुक कर देता है। बहन भाई मिलते हैं तो आंसू टपक जाते हैं। वहीं हम भी इंसान हैं, ऐसे में हमारी गला भी ये दृश्य देखकर भर जाता है। उन्होंने कहा कि पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से हुआ। इस दौरान कैदियों के परिजनों ने भी व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। वहीं पुलिस का भी सहयोग हमें मिला। इसी तरह जिला जेल में भी रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय उज्जैन से होगा संचालितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन के इतिहास में नए अध्याय की शुरूआत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि बाबा महाकाल की नगरी से धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय संचालित होगा। उज्जैन के गौरव में वृद्धि करने आज का दिन इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को एक नये शहर के गौरव देने का क्रम प्रदान किया है। हजारों वर्ष से उज्जैनी की एक अलग पहचान है। काल के प्रभाव में समय बदलता है। हर काल, हर युग, हर कल्प, हर समय और हर अवस्था में अगर इसी नगरी का अस्तित्व मिलता है, तो यह हमारी प्यारी नगरी अवंतिका है, जिसका हर युग में हर समय अपना अस्तित्व रहता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य विभाग के संचालनालय के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगरी की बड़ी विशेषता है । हर काल में अलग-अलग नाम से विख्यात रही है। जिस युग में जैसा अनुभव आता हो इसकी मान्यता उसके अनुरूप हो जाती है। इसलिए उज्जैन के अनेक नाम हैं। एक नाम अवंतिका भी जिसका कभी अंत नहीं हुआ। एक नाम अमरावती जिसका अमरता से संबद्ध है। एक नाम पदमावती है यानी भगवान विष्णु की प्रिय नगरी। कनकवती, कुसुमवती, कनकश्रंगा अलग-अलग नाम से यह जानी गई। जब यहां

स्वर्ण शिखर रहे होंगे तब इसे कनकश्रंगा कहा जाता था। अब उज्जयिनी है यानी उत्कृष्ट नगरी। यहां जो जितनी साधना करता है उससे कई गुना ज्यादा देने वाली नगरी है उज्जयिनी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पहली बार उज्जैन में कैबिनेट की बैठक हुई थी। इसी स्थान पर कैबिनेट का निर्णय हुआ था। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी यहां पधारे। महाकाल लोक के लोकार्पण हुआ। सम्राट विक्रमादित्य रिसर्च सेंटर के प्रयासों से कई कार्यक्रम यहां से शुरू हुए। भारत के कई राज्यों में विक्रमादित्य महोत्सव का आयोजन किया गया। विक्रमादित्य और भर्तुहरी का महत्व सर्वज्ञात है। जब भोपाल राजधानी बनी तो हर नगर को मान मिला। उज्जैन को विक्रम विश्वविदयालय मिला। इंदौर को हाईकोर्ट, ग्वालियर को राजस्व का कार्यालय मिला और जबलपुर में हाईकोर्ट की मुख्य ब्रांच मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमिश्नरी का नया कार्यालय उज्जैन से संचालित होगा। बाबा महाकाल सहित सभी देव स्थानों के लिए धनराशि की मंजूरी इसी विभाग से होती है। मंदिरों के रख-रखाब की मंजूरी होती है। देव स्थान के लिए जाने वाली धर्मयात्राओं का संचालन इसी विभाग से होता है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए सूची का चयन और अन्य व्यवस्था भी यही विभाग करता है। मंदिरों के निर्माण के लिए भी 26 करोड़ रूपये का बजट भी इसी विभाग की कमिश्नरी के माध्यम से होगा। अब वायु सेवा को भी जोड़ दिया गया है। प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन जैसे स्थानों पर हवाई यात्रा भी चालू की है। यह कमिश्नरी एक बड़ा रोल निभाएगी।

देवस्थलों के विकास के लिये 500 करोड का बजट प्रावधान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सलकनपुर, दतिया, औरछा सहित देव स्थानों का विकास किया जायेगा। प्रदेश में अलग-अलग देव स्थलों पर 13 लोक बनाए जा रहे हैं। मंदिर से जुडी सभी व्यवस्थाओं के लिए यह कार्यालय बेहतर प्रबंधन करेगा। संचालनालय खुलने के साथ दो निर्णय लिए गए हैं। एक निर्णय भगवान श्रीराम के चरण चिन्ह पड़े हैं वहां पर तीर्थ के रूप में विकसित करेंगे। भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां लीलाएं हुई हैं वहां भी देव स्थान की तरह विकसित किया जायेगा और वे पर्यटन का केंद्र बने। यही संचालनालय अपनी भूमिका निभाएगा। इसके लिये 500 करोड की राशि बजट में रखी हैं। सिंहस्थ केवल उज्जैन का ही नहीं इंदौर धार्मिक केंद्रों को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका अदा करेगा। मंदिरों के सभी पुजारियों के मानदेय की व्यवस्था भी की गई है।

उज्जैन में दो नए थाने की घोषणाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में दो नए थानों की घोषणा की। बाबा महाकाल लोक परिसर में एक थाना होगा। साथ ही इंदौर रोड़ पर अनेक कॉलोनियां बन जाने से दूसरा थाना इंदौर रोड़ पर होगा। सभी पदों के साथ इसी वर्ष से इन दोनों थानों का शुभारंभ होगा।

400 होमगार्ड सैनिकों की हुई घोषणा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होमगार्ड सैनिक बढ़ाने की मांग को देखते हुए 400 नए होमगार्ड सैनिकों की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होने कहा कि इससे सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि उज्जैन में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के संचालनालय का लोकार्पण होना बहुत बड़ा कार्य है। अब यहीं से पूरे प्रदेश के मंदिरों और धार्मिक न्यास सहित अन्य धार्मिक निर्माण कार्यों का संचालन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप धार्मिक कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अगले सिंहस्थ का अद्वितीय आयोजन होगा। उनके द्वारा दी जाने वाली सौगात के लिए हम आभार मानते हैं।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के संचालनालय के संचालक श्री संजय गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में विभाग के संचालनालय का शुभारंभ हो गया है। अब यहीं से पूरे प्रदेश के धार्मिक न्यास व मंदिरों के निर्माण का संचालन होगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेश नाथ, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीष मालवीय, उज्जैन नगर निगम की सभापति कलावती यादव, कलेक्टर श्री नीरज सिंह सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

रिश्वतखोरी में सीबीआई ने अपने ही डीएसपी को किया गिरफ्तार

सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) से जुड़े लोगों और अधिकारियों पर दो दिन चली छापामार कार्रवाई के बाद 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रिश्वत लेने के आरोप में सीबीआई के एक डीएसपी को भी गिरफ्तार किया गया।

पूरी कार्रवाई के दौरान सीबीआई 4 करोड़ रुपए नकद बरामद किए। रविवार को दिनभर चली कार्रवाई के बाद सीबीआई की टीम ने सोमवार को भी एनसीएल के दो अधिकारियों सुनील प्रसाद सिंह और रवींद्र प्रसाद के घर पर भी दबिश दी। इस दौरान टीम ने जरूरी दस्तावेज खंगाले गए।

सीबीआई ने एनसीएल के सीएमडी के निजी सचिव सूबेदार ओझा, बसंत कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक (प्रशासन), एनसीएल, मेसर्स संगम इंजीनियरिंग का मालिक रविशंकर सिंह, रविशंकर सिंह सिंह के सहयोगी दिवेश सिंह, जबलपुर सीबीआई के डीएसपी जॉय जोसेफ दामले को गिरफ्तार किया गया।इनके यहां से

तलाशी के दौरान सीबीआई को भारी मात्रा में नकदी, डिजिटल डिवाइस और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।

डीएसपी सहित पांच का रिमांड मिला - सीबीआई ने जबलपुर में पदस्थ सीबीआई डीएसपी सहित पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सभी को कोर्ट में पेश किया। सीबीआई ने आरोपियों की रिमांड के लिए न्यायालय में आवेदन पेश किया। न्यायाधीश अंकिता शाह ने आरोपियों को चार दिन रिमांड सीबीआई को दी है। सीबीआई जबलपुर में डीएसपी के पद पर पदस्थ जॉय जोसफ डामले एक प्रकरण की जांच कर रहे थे। डीएसपी ने प्रकरण में आरोपी रविशंकर सिंह संचालक संगम इंजीनियरिंग के माध्यम से डीएसपी को एक मोबाइल फोन भेजा था। इसके अलावा सीएमडी एनसीएल के मैनेजर सचिव सूबेदार ओछा, एनसीएल के सेवानिवृत्त मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल बसंत कुमार सिंह, मध्यप्रदेश पुलिस में पदस्थ एसआई कमल सिंह तथा प्राइवेट व्यक्ति देवेश सिंह मध्यस्थता की भूमिका निभा रहे थे।

रिश्वत की रकम को बरामद किया

रिश्वत के रूप में डीएसपी को 5 लाख रुपए की रिश्वत दी जाने वाली थी। सीबीआई ने सभी व्यक्ति के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए रिश्वत की रकम को बरामद किया। सीबीआई की टीम ने पांच को गिरफ्तार किया। एसआई कमल सिंह फरार है। पुलिस ने आरोपी को 23 अगस्त तक पूछताछ के लिए सीबीआई को रिमांड दी है।

रिटायर आइपीएस की पुस्तक में खुलासा, दर्जी ही निकला अपहरण का मास्टरमाइंड

दाऊद की बेटी के निकाह में शिवपुरी से गया था गाउन

भोपाल। यह शायद कम लोगों को पता होगा कि भारत का मोस्टवांटेड दाऊद इब्राहिम की बेटी माहरूख के निकाह का कनेक्शन प्रदेश से है। दाऊद की बेटी के निकाह का ब्राइडल गाउन शिवपुरी से गया। 1986 बैच के रिटायर्ड आइपीएस अफसर शैलेंद्र श्रीवास्तव ने अपनी पुस्तक शैकल द स्टॉर्म में इसका खुलासा किया है। श्रीवास्तव ने लिखा कि जुलाई 2005 में दाऊद की बेटी का निकाह मक्का में हुआ। उसकी बेटी के लिए गाउन शिवपुरी के एक छोटे से गांव के दर्जी इस्माइल खान ने तैयार किया था। उसे गाउन की सिलाई के एक करोड़ रुपए दिए। एक माह बाद 17 अगस्त 2005 को इंदौर के सीमेंट व्यापारी के 20 वर्षीय बेटे नितेश नागौरी का अपहरण हुआ। केस की तहकीकात में पुलिस को मिली जानकारी ने सभी के होश उड़ा दिए। इसमें इस्माइल का नाम सामने आया। तहकीकात में पता चला कि यह वही दर्जी है, जिसने दाऊद की बेटी का ब्राइडल गाउन तैयार किया। उसे ही नितेश के अपहरण का मास्टरमाइंड पाया गया।

प्रदेश के प्रत्येक जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर होंगे स्थापितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में हो रही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारी की जानकारी लेकर दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित होंगे, जिसके नोडल अधिकारी जिले के कलेक्टर रहेंगे। इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में संपन्न उच्च स्तरीय बैठक में ग्वालियर में आगामी 28 अगस्त को होने वाली रीजनल बिजनेस कॉन्क्लेव की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए।*

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक के साथ ही वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से विभिन्न क्षेत्र में निवेश के लिए कांक्लेव के सत्रों के आयोजन के बारे में चर्चा की। कॉन्क्लेव में लगभग 2500 प्रतिनिधि शामिल होंगे। नीदरलैंड, घाना, कनाडा, मेक्सिको सहित अन्य देशों के प्रतिभागी भी आएंगे। कॉन्क्लेव के दौरान औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन का कार्य भी होगा। बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन, खाद्य प्र-संस्करण और आईटी के क्षेत्र में संभावनाओं के पूर्ण दोहन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव में निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए भरपूर प्रयास किए जाएं। स्थानीय एवं बाहरी निवेशक दोनों का स्वागत करें। स्थानीय उद्योगपतियों की भी समस्याओं को जानकर उन्हें आवश्यक सहयोग करें। सभी कलेक्टर्स अपने जिलों में उपलब्ध ऐसी भूमि की जानकारी रखें जहां उद्योगों की स्थापना हो सकती है। प्रत्येक जिले में कलेक्टर उद्योगपतियों से निरंतर संवाद बनाएँ रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में लघु और कुटीर उद्योगों के सहायता समूह की गतिविधियों के कार्यों को बढ़ाया जाए।

हैंडलूम और उद्यानिकी में भी कार्य हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर्स प्रभारी मंत्रियों से भी चर्चा करें और नियमित संवाद रखें। ग्वालियर और चंबल संभाग में उद्योगों की स्थापना का अच्छा वातावरण बनाया जाए। सभी निवेश प्रस्तावों पर मंथन कर समन्वय से उन्हें क्रियान्वित करने पर फोकस किया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने प्रेजेंटेशन दिया।

मंत्री गण वर्चुअली जुड़े बैठक से

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, नवीन एवं नवकरणीय मंत्री श्री राकेश शुक्ला शामिल हुए।

1,320 करोड़ से अधिक राशि की सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ . यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा सिंगरौली जिले की चितरंगी दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिये 1320.14 करोड़ रुपये (सैंच्य क्षेत्र 32,125 हेक्टेयर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परियोजना से सिंगरौली जिले की चितरंगी तहसील के 132 ग्राम (सैंच्य क्षेत्र 28,192 हेक्टेयर) एवं देवसर तहसील के 10 ग्राम (सैंच्य क्षेत्र 3,933 हेक्टेयर) लाभान्वित होंगे।

मंत्रि-परिषद द्वारा साइबर तहसील परियोजना के लिये पर्याप्त अमला उपलब्ध कराये जाने की स्वीकृति दी गई। पूरे प्रदेश में विस्तार किये जाने के लिए तहसीलदार संवर्ग के जिलों हेतु स्वीकृत 619 पदों में से तहसीलदार के 10 पद, प्रतिनियुक्ति हेतु रक्षित नायब तहसीलदारों के 55 पदों में से 15 पद और 03 सहायक वर्ग-3 श्रेणी के कर्मचारियों को पद सहित प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय में साइबर तहसील के लिए अंतरित करने की स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार 02 भृत्य को आउटसोर्स से नियुक्त किये जाने की स्वीकृति दी गई।

मिशन शक्ति अंतर्गत 364 पदों की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी संशोधित निर्देशों के अनुसार महिला सशक्तिकरण केंद्र की प्रदेश के समस्त जिलों में 15 वें वित्त आयोग की अवधि 2025-26 तक संचालित करने की स्वीकृति दी गयी। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण की सुविधा प्रदान करना एवं ऐसा वातावरण तैयार करना, जिसमे महिलाएं अपनी पूरी क्षमता को समझ कर उसका उपयोग कर सकें। प्रत्येक जिला हब में जिला मिशन समन्वयक-01, जेंडर स्पेशलिस्ट-02, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ 01, एकाउंट असिस्टेंट-01, आईटी असिस्टेंट-01 तथा एम. टी.एस-01 के पदों की स्वीकृति दी गई। इस प्रकार प्रदेश के सभी जिला हब को मिलाकर कुल 364 पदों की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृत पदों की पूर्ति निधारित प्रक्रिया अनुसार किये जाने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग को अधिकृत किया गया है। मध्यप्रदेश नगर पालिका (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश 2024 की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 43-क में शब्द दो वर्ष के स्थान पर तीन वर्ष स्थापित किये जाने हेतु संशोधन के संबंध में मध्यप्रदेश नगर पालिका (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश 2024 पर स्वीकृति दी गई।

87 लाख रूपये से अधिक मुआवजा राशि का अनुसमर्थन- रीवा हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप विकास एवं विस्तार देने के लिए मंत्रि-परिषद् की पूर्व बैठक 26.09.23 एवं 13.12.22 द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा चाही गई आवश्यक भूमि का आवंटन और मुआवजा राशि का भुगतान करने का निर्णय लिया गया था। हवाई अड्डे के निर्माण हेतु अधिग्रहित की गई भूमि में सतना जिले की ग्राम केरार एवं पैपखरा, तहसील रामपुर बघेलान की भूमि भी आई थी। आपसी सहमति से भूमि क्रय हेतु 1व सर्विस टैक्स सहित कलेक्टर सतना द्वारा 87 लाख 50 हजार रूपये की मुआवजा राशि का आवंटन चाहा गया था, जो उन्हें आवंटित किया जा चुका है।

हर युवा को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना चाहिएः मंत्री श्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि देश के हर युवा को प्रकृति और पर्यावरण की प्रति चिंतित रहना चाहिए। तभी आने वाले समय में हम कई प्रकार की परेशानियों से बच पाएंगे। श्री राजपूत ने यह बात भारत भ्रमण की यात्रा पर एक पेड़ मां के नाम का संकल्प लेकर निकले युवकों कों हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए कही।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने इन युवाओं के संकल्प तथा यात्रा के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश के हर युवा को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। श्री राजपूत ने कहा कि हमारे लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का पर्यावरण के लिए संदेश, संकल्प एक पेड़ माँ के नाम अब जन अभियान बन चुका है और लोग जागरुक हो रहे हैं। उन्होंने तीनों युवाओं के लिए नई साइकिल और जरूरी सामग्री इस अभियान के लिये दी।

उल्लेखनीय है कि एक पेड़ मां के नाम का संकल्प तथा संदेश को लेकर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चंदौनी से विशाल ठाकुर, हीरालाल प्रजापति, राकेश ठाकुर साइकिल से निकले हैं। यह युवा पूरे भारत भ्रमण करते हुए पौधरोपण करेंगे तथा जगह-जगह पौधा लगाते हुए एक पेड़ माँ के नाम का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएंगे।

भारत यात्रा के लिए निकले हीरालाल प्रजापति ने बताया कि पर्यावरण सुरक्षा तथा एक पेड़ माँ के नाम का संदेश पूरे देश को देना है और पर्यावरण के प्रति भारत के लोगों को जागरूक करना है। भारत यात्रा के बाद हम सभी लोग दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

समाज एवं उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रमों का निर्माण प्राथमिकता : तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार

भोपाल। तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में भोपाल स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए गठित टॉस्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में वर्तमान परिदृश्य और आगामी कार्ययोजना को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत पुरुषार्थी और शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में सर्वश्रेष्ठ रहा है। हम सभी को अपने गौरवशाली इतिहास, दर्शन और गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। सामाजिक परिवेश में भारतीयता के भाव की जागृति की आवश्यकता है। भारत का समाज परंपरागत कौशल में निपुण समाज रहा है। श्री परमार ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में परंपरागत कौशल (स्किल) को आधुनिक तकनीक से समृद्ध बनाने की दिशा में क्रियान्वयन हो। युगानुकुल आवश्यकता अनुरूप भारतीय ज्ञान परम्परा का तकनीकी शिक्षा में तथ्यपूर्ण समावेश किया जाए।

भागवत पुराण में वर्णन है

भागवत पुराण में वर्णन है कि जीव को संसार का आकर्षण खींचता है, उसे उस आकर्षण से हटाकर अपनी ओर आकर्षित करने के लिए जो तत्व साकार रूप में प्रकट हुआ, उस तत्व का नाम श्रीकृष्ण है। जिन्होंने अत्यंत गूढ़ और सूक्ष्म तत्व अपनी अठखेलियों, अपने प्रेम और उत्साह से आकर्षित कर लिया, ऐसे तत्वज्ञान के प्रचारक, समता के प्रतीक भगवान श्रीकृष्ण के संदेश, उनकी लीला और उनके अवतार लेने का समय सब कुछ अलौकिक है।

...जय कन्हैया लाल की

श्री कृष्णजन्माष्टमी भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव है। योगेश्वर कृष्ण के गीता के उपदेश अनादि काल से जनमानस के लिए जीवन दर्शन प्रस्तुत करते रहे हैं। जन्माष्टमी भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी इसे पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्रीकृष्ण ने अपना अवतार भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिए मथुरा में लिया। चूंकि भगवान स्वयं इस दिन पृथ्वी पर अवतरित हुए थे अतः इस दिन को कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मथुरा नगरी भक्ति के रंगों से सराबोर हो उठती है।

मुस्कुराते हुए अवतरण

जन्म-मृत्यु के चक्र से छुड़ाने वाले जनार्दन के अवतार का समय था निशीथ काल। चारों ओर अंधेरा पसरा हुआ था। ऐसी विषम परिस्थितियों में कृष्ण का जन्म हुआ कि मां-बाप हथकड़ियों में जकड़े हैं, चारों तरफ कठिनाइयों के बादल मंडरा रहे हैं। इन परेशानियों के बीच मुस्कुराते हुए अवतरित हुए श्रीकृष्ण ने अपने भगवान होने का संकेत जन्म के समय ही दे दिया। कारागार के ताले खुल गए, पहरेदार सो गए और आकाशवाणी हुई कि इस बालक को गोकुल में नंद गोप के घर छोड़ आओ।

भीषण बारिश और उफनती यमुना को पार कर शिशु कृष्ण को गोकुल पहुंचाना मामूली काम नहीं था। वसुदेव जैसे ही यमुना में पैर रखा, पानी और ऊपर चढ़ने लगा। श्रीकृष्ण ने अपना पैर नीचे की तरफ बढ़ाकर यमुना को छुआ दिया, जिसके तुरंत बाद जलस्तर कम हो गया। शेषनाग ने उनके ऊपर छाया कर दी ताकि वे भीगे नहीं।

पूतना का वध

कृष्ण जन्म का समाचार मिलते ही कंस बौखला गया। उसने अपने सेनापतियों को आदेश दिया कि पूरे राज्य में दस दिन के अंदर पैदा हुए सभी बच्चों का वध कर दिया जाए। इधर नंद बाबा के घर कृष्ण जन्म के उपलक्ष्य में लगातार उत्सव मनाया जा रहा था। अभी कृष्ण केवल छह दिन के ही हुए थे कि कंस ने पूतना नाम की राक्षसी को भेजा। पूतना अपने स्तनों में जहर लगाकर बालक कृष्ण को पिलाने के लिए मनोहारी स्त्री का रूप धारण कर आई। अंतर्यामी कृष्ण क्रोध से उसके प्राण सहित दूध पीने लगे और तब तक नहीं छोड़ा, जब तक कि पूतना के प्राणपखेरू उड़ नहीं गए।

स्कन्द पुराण के मतानुसार जो भी व्यक्ति जानकर भी कृष्ण जन्माष्टमी व्रत को नहीं करता, वह मनुष्य जंगल में सर्प और व्याघ्र होता है। ब्रह्मपुराण का कथन है कि कलियुग में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी में अट्ठाइसवें युग में देवकी के पुत्र श्रीकृष्ण उत्पन्न हुए थे। यदि दिन या रात में कलामात्र भी रोहिणी न हो तो विशेषकर चंद्रमा से मिली हुई रात्रि में इस व्रत को करें। भविष्य पुराण का वचन है- श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में कृष्ण जन्माष्टमी व्रत को जो मनुष्य नहीं करता, वह क्रूर राक्षस होता है। केवल अष्टमी तिथि में ही उपवास करना कहा गया है। यदि वही तिथि रोहिणी नक्षत्र से युक्त हो तो 'जयंती' नाम से संबोधित की जाएगी। वह्निपुराण का वचन है कि कृष्णपक्ष की जन्माष्टमी में यदि एक कला भी रोहिणी नक्षत्र हो तो उसको जयंती नाम से ही संबोधित किया जाएगा। अतः उसमें प्रयत्न से उपवास करना चाहिए। विष्णुरहस्यादि वचन से-कृष्णपक्ष की अष्टमी रोहिणी नक्षत्र से युक्त भाद्रपद मास में हो तो वह जयंती नामवाली ही कही जाएगी। वशिष्ठ संहिता का मत है-यदि अष्टमी तथा रोहिणी इन दोनों का योग अहोरात्र में असम्पूर्ण भी हो तो मुहूर्त मात्र में भी अहोरात्र के योग में उपवास करना चाहिए। मदन रत्न में स्कन्द पुराण का वचन है कि जो उत्तम पुरुष है। वे निश्चित रूप से जन्माष्टमी व्रत को इस लोक में करते हैं। उनके पास सदैव स्थिर लक्ष्मी होती है। इस व्रत के करने के प्रभाव से उनके समस्त कार्य सिद्ध होते हैं। विष्णु धर्म के अनुसार आधी रात के समय रोहिणी में जब कृष्णाष्टमी हो तो उसमें कृष्ण का अर्चन और पूजन करने से तीन जन्मों के पापों का नाश होता है। भृगु ने कहा है- जन्माष्टमी, रोहिणी और शिवरात्रि ये पूर्वविधा ही करनी चाहिए तथा तिथि एवं नक्षत्र के अन्त में पारणा करें। इसमें केवल रोहिणी उपवास भी सिद्ध है।

माखनचोर कन्हैया

माखनचोरी की लीला से कृष्ण ने सामाजिक न्याय की नींव डाली। उनका मानना था कि गायों के दूध पर सबसे पहला अधिकार बछड़ों का है। वह उन्हीं के घर से मक्खन चुराते थे, जो खानपान में कंजूसी दिखाते और बेचने के लिए मक्खन घरों में इकट्ठा करते थे। वैसे माखन चोरी करने की बात कृष्ण ने कभी मानी नहीं। उनका कहना था कि गोपिकाएं स्वयं अपने घर बुलाकर मक्खन खिलाती हैं। एक बार गोपिकाओं की उलाहना से तंग आकर यशोदा उन्हें रस्सी से बांधने लगीं लेकिन वे कितनी भी लंबी रस्सी लातीं, छोटी पड़ जाती। जब यशोदा बहुत परेशान हो गईं तो कन्हैया मां के हाथों से बंध ही गए। इस लीला से उनका नाम दामोदर (दाम यानि रस्सी और उदर यानि पेट) पड़ा।

ब्रह्मांड के दर्शन

बाल लीला के अंतर्गत कृष्ण ने एक बार मिट्टी खा ली। बलदाऊ ने मां यशोदा से इसकी शिकायत की तो मां ने डांटा और मुंह खोलने के लिए कहा। पहले तो उन्होंने मुंह खोलने से मना कर दिया, जिससे यह पुष्टि हो गई कि वास्तव में कृष्ण ने मिट्टी खाई है। बाद में मां की जिद के आगे अपना मुंह खोल दिया। कृष्ण ने अपने मुंह में यशोदा को संपूर्ण ब्रह्मांड के दर्शन करा दिए। बचपन में गोकुल में रहने के दौरान उन्हें मारने के लिए आततायी कंस ने शकटासुर, बकासुर और तृणावर्त जैसे कई राक्षस भेजे, जिनका संहार कृष्ण ने खेल-खेल में कर दिया।

जन्माष्टमी 26 या 27 अगस्त 2024 कब? सही तारीख, कान्हा की पूजा का शुभ मुहूर्त जानें

कृष्ण जन्माष्टमी के दिन मथुरा नगरी में असुर कंस के कारागृह में देवकी की आठवीं संतान के रूप में भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था. श्रीकृष्ण को विष्णु जी का अवतार माना जाता है.

मान्यता है कि हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी यानि जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा करने पर हर दुख, दोष, दरिद्रता दूर होती है. इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 2024 की डेट को लेकर कंफ्यूजन है तो यहां जानें जन्माष्टमी की सही तारीख, पूजा मुहूर्त और महत्व.

कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी. इस दिन घरों में झाकियां सजाई जाती है, भजन-कीर्तन किए जाते हैं. कृष्ण भक्त व्रत कर, बाल गोपाल का भव्य श्रृंगार करते है, रात्रि में 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में कान्हा का जन्म कराया जाता है.

श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और वृंदावन में जन्माष्टमी 26 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी. यहां जन्माष्टमी की रौनक बहुत खास होती है. बांके बिहारी के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी होती है.

Vastu Tips

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में रखें बहते झरने के शो पीस

आपने कई लोगों के घरों में देखा होगा कि बहते हुए झरने, नदियों और पानी की तस्वीर या शो पीस रहते हैं। ऐसे में वास्तु की दृष्टि से बहुत कम लोग इसका महत्व जानते हैं, वास्तुशास्त्र के अनुसार माना जाता है बहते हुए पानी की तस्वीर घर में लगाना शुभ होता है। इन तस्वीरों या शो पीस को घर में लगाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

घर के सदस्यों या फैमिली बिजनेस को बेडलक या लोगों की बुरी नजर से बचाए रखने के लिए गलियारे या बालकनी में पानी से संबंधित कोई तस्वीर या शो पीस रखना चाहिए।

पानी से जुड़ा कोई भी शो पीस या तस्वीर किचन में नहीं लगाना चाहिए।

यदि आप फाउंटेन घर में लगवा रहे हैं तो इसे घर की उत्तर या दक्षिण-पूर्व दिशा में लगना सकते हैं।

घर की उत्तर-पूर्व दिशा में मिट्टी के बने बर्तन या सुराही में पानी भरकर रखना चाहिए। ऐसा करने से घर के लोगों का दुर्भाग्य खत्म होता है और हर काम में सफलता मिलती है।

घर के दरवाजे होने चाहिए सही दिशा में

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। प्रत्येक दिशा का दरवाजा लाभ के साथ नुकसान भी देता है। हालांकि परंपरागत अनुभव के आधार पर कहा जा सकता है कि उत्तर, ईशान और पूर्व मुखी मकान ही शुभ फलदायी होते हैं।

पूर्व: पूर्व दिशा में घर का दरवाजा है कई मामलों में शुभ है लेकिन ऐसा व्यक्ति कर्ज में डूब जाता है।

पश्चिम: पश्चिम दिशा में दरवाजा होने से घर की बरकत खत्म होती है।

उत्तर: उत्तर दिशा का दरवाजा शुभ फल ही देता है।

दक्षिण: दक्षिण दिशा का दरवाजा है तो लगातार आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

आग्नेय: आग्नेय दिशा का दरवाजा घर में रोग उत्पन्न करता है।

ईशान: ईशान दिशा के दरवाजे के सामने किसी भी प्रकार का वास्तुदोष नहीं है तो यह शुभफलदायी होता है।

नैऋत्य: यह दिशा भी दक्षिण और आग्नेय दिशा की तरह फल देने वाली होती है।

वायव्य: वायव्य दिशा के दरवाजे का फल भी पश्चिम और उत्तर की तरह हो सकता है, लेकिन यह दिशा सही नहीं है तो पड़ोसी से संबंध खराब हो सकते हैं।

माथे की लकीरें बताती हैं भविष्य

माथे की लकीरों का कनेक्शन भाग्य से जुड़ा है। सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक किसी भी व्यक्ति के माथे की लकीरों को देखकर यह ज्ञात किया जा सकता है कि वह कितना भाग्यशाली है। माथे की ये लकीरें व्यक्ति के भूत, वर्तमान और भविष्य की ओर इशारा करती हैं।

धन से जुड़ी माथे की पहली लकीर

सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक व्यक्ति के माथे की पहली लकीर का संबंध धन से होता है। यह लकीर भौं के निकट बनती है। इसे धन की लकीर भी कहते हैं।

जिस व्यक्ति की धन की यानी माथे की पहली लकीर जितनी स्पष्ट होगी, वह व्यक्ति उतना ही धनवान होगा।

माथे की दूसरी लकीर सेहत की देती है जानकारी

व्यक्ति के स्वास्थ्य जीवन से जुड़ी है माथे पर बनी दूसरी लकीर। यह लकीर भौहों के निकट की लकीर के बाद दूसरी लकीर होती है। अगर माथे की दूसरी लकीर गाढ़ी और साफ दिखाई देती है तो इसका मतलब है कि उस व्यक्ति का स्वास्थ्य जीवन अच्छा होगा। इसके विपरीत यह लकीर पतली और हल्की होती है तो व्यक्ति को स्वास्थ्य परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

भाग्य से है माथे की तीसरी लकीर का कनेक्शन

माथे पर पड़ने वाली नीचे से तीसरी लकीर भाग्य की लकीर होती है। खास बात ये है कि यह लकीर बहुत ही कम लोगों के माथे पर होती है। जाहिर सी बात है कम लोग ही भाग्यशाली होते हैं। अगर यह लकीर माथे पर बनी होती है तो वह व्यक्ति भाग्यशाली होता है।

जीवन के उतार-चढ़ाव से जुड़ी है चौथी

माथे पर बनने वाली चौथी लकीर का संबंध जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से होता है। हालांकि ये लकीर 26 से 40 वर्ष तक के उतार-चढ़ाव और संघर्ष के बारे में बताती है। ऐसे व्यक्ति चालीस की उम्र के बाद सफलता की बुलंदियों में होते हैं। ऐसे व्यक्तियों का आर्थिक जीवन भी अच्छा होता है।

पांचवीं लकीर का है ये मतलब

माथे पर बनने वाली पांचवीं लकीर को खतरनाक माना जाता है। यह लकीर जीवन में तनाव और चिंता को दर्शाती है।

छठी लकीर वाले करते हैं अप्रत्याशित उन्नति

माथे पर छठी लकीर नाक की सीधी तरफ ऊपर जाने वाली लकीर को कहते हैं। इसे दैवीय लकीर कहा जाता है। क्योंकि यह लकीर संकेत देती है कि व्यक्ति के ऊपर दैवीय कृपा है।

प्रेम और वैवाहिक जीवन में प्यार का रस घोलती हैं ये फेंगशुई टिप्स

फेंगशुई चीनी ज्योतिष में वास्तु दोष को खत्म करने का बेहतरीन उपाय है। फेंगशुई टिप्स जीवन की नकारात्मक शक्तियों को नष्ट करती हैं और सकारात्मक ऊर्जा उत्सर्जित करते हैं। हमारे वातावरण में चारों ओर कई तरह की नकारात्मक ऊर्जा विद्यमान होती हैं और ये निगेटिव पावर हमारे जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करती हैं। परंतु घर या कार्यस्थल पर फेंगशुई उपाय के कारण नकारात्मक ऊर्जा प्रभाव शून्य हो जाता है और सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। यहां कुछ ऐसे फेंगशुई टिप्स की बात कर रहे हैं, जिसे अपनाकर आप अपने प्रेम जीवन को मधुर और प्रगाढ़ बना सकते हैं। यह फेंगशुई टिप्स खासतौर पर बेडरूम के लिए है।

अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की दिक्कतें आ रही हैं तो वे दिक्कतें भी इस उपाय से आसानी से दूर होंगी।

फेंगशुई के अनुसार अगर आप शादीशुदा हैं, तो अपने बैडरूम में टी.वी, कंप्यूटर आदि इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स को न रखें।

फेंगशुई में बेड के सामने टॉयलेट का गेट न होने की सलाह दी गई है। अगर ऐसा हो भी तो हमेशा बंद रखें।

बेड के सामने कभी-भी मिरर नहीं होना चाहिए। फेंगशुई के मुताबिक इससे पति-पत्नी में तकरार होने की संभावना बनी रहती है।

डबल बेड पर सिंगल गद्दे इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा करने से रिश्ते में आई नकारात्मकता दूर होती है और दोनों का रिश्ता मजबूत होता है।

बेड को हमेशा सिरा खिड़की या दीवार से हटा कर रखें। दीवार से सटा कर रखने से संबंधों में तनाव पैदा होता है।

बेड के नीचे किसी भी तरह का सामान नहीं रखें। इससे बेडरूम में सकारात्मक ऊर्जा का फ्लो अच्छा रहेगा।

परेशानियों से बचने के लिए घर में रखें फेंगशुई ऊंट

अगर आप बुरे वक्त के दौर से गुजर रहे हैं, तो घर में फेंगशुई गैजेट ऊंट की स्थापना करें। यह आपको परेशानियों से निजात दिलाएगा।

अगर आपके परिवार में आए दिन कोई न कोई बीमार रहता है या परिवार के किसी सदस्य को बीमारी, दुर्घटना आदि का खतरा बना रहता है, तो यह गैजेट निश्चित रूप से उसके लिए सहायक साबित हो सकता है।

समझदार वही है, जो बुरे दिनों के लिए पहले से तैयार रहता है। बात चाहे रुपए-पैसे की हो या स्वास्थ्य की, आर्थिक तंगी से निपटने के लिए हम नियमित बचत करते हैं तो बीमारी, रोग आदि के लिए मेडिकल इंश्योरेंस करवाते हैं।

यह बताने की जरूरत नहीं कि ये सब चीजें बुरे समय में हमारे कितनी काम आती हैं। आज फेंगशुई के जिस गैजेट के बारे में बता रहे हैं, वह न सिर्फ बुरे समय में हमारे लिए सहायता का काम करता है, बल्कि उसकी स्थापना हमें आने वाली विपदा व दुर्भाग्य से भी बचाती है। यह गैजेट है फेंगशुई ऊंट। जिस तरह यह जानवर विलक्षण क्षमताओं वाला है, उसी प्रकार फेंगशुई गैजेट के रूप में भी इसके प्रभाव विलक्षण हैं। ऊंट एकमात्र ऐसा जानवर है, जो विपरीत परिस्थितियों में कई दिनों तक बिना खाए-पीए रहकर भी अपने सवार को उसकी मंजिल तक पहुंचाने का लक्ष्य रखता है।

अगर आपके परिवार में आए दिन कोई न कोई बीमार रहता है या परिवार के किसी सदस्य को बीमारी, दुर्घटना आदि का खतरा बना रहता है, तो यह गैजेट निश्चित रूप से उसके लिए सहायक साबित हो सकता है।

हमारी आधी से अधिक चिंताओं और परेशानियों की वजह होती है आर्थिक समस्या। आपको अपने निवेश का उचित प्रतिफल मिले और आपके पास कैश फ्लो यानी नगद की आवक बनी रहे तो इसके लिए फेंगशुई ऊंट को घर के उत्तर-पश्चिम में स्थापित करना चाहिए।

एमवाय अस्पताल में फिर सक्रिय हुई एंबुलेंस गैंग

परिसर में वर्चस्व दिखाने के लिए की भीड़ एकत्रित, वीडियो बहुप्रसारित

इंदौर। एमवाय अस्पताल में एक बार फिर एंबुलेंस गैंग सक्रिय हो गई है। अस्पताल परिसर में वर्चस्व दिखाने के लिए भीड़ एकत्रित भी की गई और एक साथी का जन्मदिन भी मनाया गया। जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो रहा है। बताया जा रहा है यहां पर यह भीड़ एंबुलेंस गैंग संचालित करने वाले दीपक वर्मा ने एकत्रित की थी। जबकि अस्पताल परिसर में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की अनुमति नहीं है। लेकिन इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर इन्होंने कैक काटा और इसके वीडियो और फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित किए। गौरतलब है कि पुलिस चौकी के सामने यह जश्न चलता रहा, लेकिन किसी ने रोका तक नहीं। बता दें कि इससे पहले भी एंबुलेंस संचालकों का अस्पताल के डाक्टरों से विवाद हो चुका है। क्योंकि यह एंबुलेंस संचालक लामा करते हैं। यहां आए मरीजों को निजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर जाते हैं। इसकी कई बार जूनियर डाक्टरों द्वारा शिकायत भी हो चुकी है। वीडियो बहुप्रसारित होने के बाद संयोगितागंज पुलिस ने दीपक सहित छह लोगों के खिलाफ मामले में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी कर दी है।

कुछ दिन पहले हुआ था इनका विवाद

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले भी एंबुलेंस संचालकों का विजयनगर थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के पास आपस में विवाद हुआ था। जिसमें एक-दूसरे के ऊपर चाकूओं से हमला किया था। इस विवाद में भी एमवाय अस्पताल में एंबुलेंस गैंग संचालित करने वाला दीपक शामिल था। इससे पहले अस्पताल में सलमान गैंग सक्रिय थी। यहां पहले भी एंबुलेंस संचालित के दौरान विवाद में गोलियां भी चल चुकी है।

इस तरह की गतिविधियां अस्पताल में प्रतिबंधित हैं। पहले भी इस तरह के मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है। अस्पताल में मरीजों को कोई परेशानी ना आए इसका पुरा ध्यान रखा जाता है।

– डा. अशोक यादव, अधीक्षक, एमवायएच

हमें मामले में किसी ने शिकायत नहीं की है। लेकिन हमने आरोपितों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर दी है। अभी छह लोगों के खिलाफ की है, अन्य को भी चिंहित किया जा रहा है। पुलिस लगातार अस्पताल परिसर में पेट्रोलिंग भी कर रही है।

– सतीश पटेल, थाना प्रभारी

बाणगंगा और मधुमिलन सहित 20 चौराहों पर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे

शहर के बढ़ते ट्रैफिक लोड को कम करने के लिए कवायद

इंदौर। शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए प्रशासन और नगर निगम लगातार कोशिश कर रहा है। इसके तहत आप शहर के व्यस्ततम चौराहों पर फ्लावर बनाने की योजना बनाई जा रही है। शहर के व्यस्ततम चौराहों का सर्वे भी कर लिया गया है। जल्द ही जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक कर इन चौराहों पर फ्लावर बनाने के कार्य को अंतिम रूप दिया जा सकता है। सहमति बनते ही व्यस्ततम चौराहों के अप्लाई ओवर के लिए कार्य योजना जारी कर दी जाएगी।

बताया जा रहा है कि बाणगंगा, रेडिसन और मधुमिलन अन्य चौराहों पर फ्लावर बनाने की योजना है। जानकारी अनुसार आईडीए और नगर निगम इन चौराहों का सर्वे कर जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा। इन चौराहों में मधुमिलन, रेडिसन, बाणगंगा सहित एबी रोड के शिवाजी वाटिका, गीता भवन, पलासिया और एलआईजी भी शामिल हैं। एबी रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर के स्थान पर फ्लाईओवर की संभावना भी तलाशी जा रही है। कलेक्टर के निर्देशन में एक सितंबर से नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड से बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। यहां से प्रदेश के बाहर महाराष्ट्र की तरफ जाने वाली बसों का संचालन किया जाएगा। एआईसीटीसीएल की लंबी दूरी की बसें भी यहां से संचालित होंगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने बस स्टैंड पर सभी व्यवस्थाएं और इससे जुड़े हुए मार्गों की आवश्यक मरम्मत के निर्देश दिए। शहर के भीतर तक आवागमन के लिए सिटी बसों के रूट निर्धारित करने और ई-रिक्शा चलाने का भी कहा। इंडस्ट्री हाउस चौराहा पर जंजीरवाला चौराहा की तरफ वाला लेफ्ट टर्न बन चुका है। बिचोली चौराहे पर रोटरी को कम कर यातायात निकाला जाएगा। शहर में पिपलियाहाना चौराहे पर लेफ्ट टर्न का काम शुरू हो चुका है। स्कीम 140 के आगे श्रीमाया के पास से लेफ्ट टर्न बनाकर बिचोली बायपास तक छोटी रोड बनेगी। मधुमिलन चौराहा पर रोटरी बनाकर यातायात को नियंत्रित किया जाएगा।

वाहनों का रूट बदलेंगे

गीता भवन चौराहा पर रेसीडेंसी की तरफ से आने वाले वाहन सीधे आते हैं। इस कारण चौराहे पर जाम की स्थिति निर्मित होजाती है। रेसीडेंसी तरफ से आने वाले वाहनों को गली से गीता भवन की तरफ निकाला जाएगा। यहां से गीता भवन चौराहे पर वाहन आ सकेंगे।

मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व महा-अभियान 2.0 की समीक्षा की

इन्दौर। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से राजस्व महा-अभियान 2.0 की प्रगति की समीक्षा की। वीसी में प्रदेश के समस्त संभागायुक्त एवं कलेक्टर उपस्थित थे। मुख्य सचिव श्रीमती राणा ने राजस्व अभियान अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा बटांकन, नक्शा तरमीम, ईकेवायसी सहित राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के दौरान राजस्व प्रकरणों के लक्ष्यों को पूरा किया जाये। उन्होंने नेशनल एवं स्टेट हाइवे सहित मुख्य मार्गों पर घूमने वाले गौवंश को नगर निगम एवं स्थानीय निकायों के माध्यम से गौशाला में भेजे जाने संबंधी निर्देश भी दिये। गौ शालाओं में गौवंश के बेहतर रखरखाव एवं स्वास्थ्य जाँच हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा पशु पालन विभाग आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, इस संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने मंकीपॉक्स के संबंध में सावधानी एवं जागरूकता संबंधी निर्देश दिये। बारिश के दौरान अतिवृष्टि जनहानि, पशु हानि का समय पर सर्वे एवं आरबीसी 6-4 के प्रकरणों के संबंध में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये।

गुंडे ने आदिवासी युवक को पीटा, जूते के लेस बंधवाए, पुलिस ने जुलूस निकाला

इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक लिस्टेड बदमाश ने आदिवासी युवक के साथ मारपीट कर उसे अपने जूते के लेस बंधवाए थे। वह हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा, लेकिन आरोपी फिर भी नहीं माने। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। उसे उस इलाके में ले जाया गया, जहां उसने युवक के साथ मारपीट कर जूते के लैस बंधवाए थे। पुलिस ने आरोपी को पहले क्षेत्र में पैदल घुमाया फिर कान पकड़वाकर उससे माफी मंगवाई। घटना भोलाराम उस्ताद मार्ग के पास की है। मामले में पुलिस ने आरोपी रितेश राजपूत को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। रितेश का साथी मयंक शर्मा फरार चल रहा है। पीड़ित युवक इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग कर रहा है। जोन 4 के एडिशनल पुलिस उपायुक्त आनंद यादव ने बताया कि आदिवासी युवक देपाल गिणावा मूल निवासी तिरला धार, हाल मुकाम निवासी गणेशनगर खंडवा रोड रविवार को सुबह साढ़े सात बजे सैलून कराने पैदल जा रहा था। तभी आरोपी रितेश राजपूत दोपहिया वाहन से उसे कट मारते हुए निकला। इस पर देपाल ने उसे वाहन ठीक से चलाने की बात कही। इस पर रितेश आक्रोशित हो गया, कहने लगा कि तू मुझे जानता नहीं है। इसके बाद मारपीट शुरू कर दी। आदिवासी युवक हाथ जोड़कर उससे माफी मांगता रहा, लेकिन वह फिर भी नहीं रूका।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)